



# Roots and Fruit

## Robert Morris

*John 15:8; Matthew 7:17–18, 12:33*

---

---

---

---

### 1. Jesus is the vine (root).

*John 15:5; Isaiah 11:1, 10, 53:2; Revelation 5:5, 22:16*

---

---

---

---

### 2. We are the branches.

*John 15:4; Galatians 5:22–23*

---

---

---

---

### 3. The Father is the vinedresser.

*John 15:1, 8; Isaiah 5:1–4; Matthew 21:33–40; Luke 20:13; Mark 12:6*

---

---

---

---

*What is the Holy Spirit saying to me through this message?*

---

---

---

---

*Scripture is from the New King James Version of the Bible.*